

अंटार्कटिक ग्लेशियर में बड़ा छदिर/वविर

चर्चा में क्यों?

हाल ही में नासा के वैज्ञानिकों ने अंटार्कटिक ग्लेशियर (Antarctic Glacier) में लगभग 300 मीटर लंबे विशाल वविर/ छदिर की खोज की है, जो पश्चिमी अंटार्कटिका में थवाइट्स ग्लेशियर (Thwaites Glacier) के तल पर बढ रहा है।

महत्त्वपूर्ण बढि

- थवाइट्स ग्लेशियर के तल पर बढ रहा विशाल छदिर बर्फ की चादर के तेज़ी से क्षय और जलवायु परिवर्तन के कारण वैश्विक समुद्री स्तर में वृद्धि का संकेत देता है।
- 'साइंस एडवांस' पत्रिका में प्रकाशित नषिकर्ष अंटार्कटिक ग्लेशियरों के वसितृत अवलोकन की आवश्यकता पर प्रकाश डालती है, जो यह बताती है कि ग्लोबल वार्मिंग की प्रक्रिया से समुद्र स्तर कतिनी तेज़ी से बढेगा।
- नासा के शोधकर्त्ताओं के अनुसार थवाइट्स ग्लेशियर के तल में उपस्थित बर्फ और आधारशैल के बीच कुछ अंतराल पाया गया है, जहां से समुद्र का पानी बह सकता है और ग्लेशियर को पघिला सकता है।
- हाल में पाए गए छदिर के आकार और वसिफोटक में वृद्धिदर चतिाजनक है। यह काफी बड़ा है जिसमें 14 बलियिन टन बर्फ है, तथा इसमें से अधिकांश बर्फ पछिले तीन वर्षों में पघिल गई है।
- शोधकर्त्ताओं के अनुसार, वर्तमान में वैश्विक समुद्र स्तर में वृद्धिलिगभग 4% के लिये थवाइट्स ग्लेशियर ज़मिमेदार है।
- 2010 में नासा के एक हवाई अभियान ऑपरेशन आइसब्रिज में आइस-मर्मज्ज रडार (Ice-Penetrating Radar) द्वारा छदिर का पता चल पाया था, जो ध्रुवीय क्षेत्रों एवं वैश्विक जलवायु के बीच संबंध का अध्ययन करता है।

स्रोत – द हद्दि